RAJHIN/2014/55262

sancharjagat.com



संचार जगत

दैनिक समाचार पत्र

sancharjagat.com

editorial@sancharjagat.com

'सोच को इतना बड़ा रखो कि असफलता भी एक छोटा कदम लगे। सफलता कोई मंजिल नहीं, यह एक दिशा है। बड़ा सोचो, बड़ा करो। '

वर्ष: 13 | अंक: 249 जयपुर, गुरुवार, 08 अक्टूबर , 2026 मूल्य: 2.00 रूपए पृष्ठ : 4

हंसी-मजाक में काफूर हुआ मतभेद



संचार जगत

जयपुर। अशोक गहलोत और सचिन पायलट के बीच मतभेद और मनभेद की खबरें अक्सर चर्चा का विषय बनी रहती है, लेकिन बुधवार को दोनों नेताओं के आमने सामने होने से ये तल्खियां हंसी मजाक और मनोविनोद का अवसर बन गया। दरअसल कांग्रेस वॉर रूम में बैठक से पहले पूर्व सीएम अशोक गहलोत और कांग्रेस महासचिव सचिन पायलट के बीच हुई बातचीत पार्टी गलियारों में चर्चा का विषय बन गया। इस दौरान गहलोत ने प्रदेश कांग्रेस प्रभारी सुखजिंदर सिंह रंधावा और सचिन पायलट से कहा कि पंजाब इंचार्ज अब बताइए। पहले आपके इंचार्ज ये थे, अब इनके इंचार्ज आप हैं।इस पर पायलट ने हंसते हुए कहा कि सबके इंचार्ज आप ही हो। राजस्थान, पंजाब क्या फर्क पड़ता है। इस पर गहलोत ने भी हंसते हुए कहा कि हम तो परमानेंट इंचार्ज हैं। इस दौरान गहलोत, पायलट, प्रदेशाध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा सहित वहां मौजूद नेताओं ने खूब ठहाके लगाए। दरअसल, सचिन पायलट हाल ही में पंजाब कांग्रेस के प्रभारी बने हैं। राजस्थान कांग्रेस के प्रभारी सुखजिंदर रंधावा पंजाब कांग्रेस के नेता हैं। कांग्रेस वॉर रूम में मजाकिया लहजे में हुई इस बातचीत के सियासी मायने निकाले जा रहे हैं। आम तौर पर कांग्रेस में खेमेबंदी और खींचतान को लेकर खूब चर्चा होती है, लेकिन पिछले कुछ दिनों से माहौल बदला हुआ है। कांग्रेस नेता आपस में गर्मजोशी से मिलते हुए दिख रहे हैं। बैठक के बाद गहलोत ने मीडिया से कहा कि आप हमेशा पूछते हो, कांग्रेस में एकता नहीं है। आज आपने देख ली, सब एकता है। सब एकजुट हैं। उन्होंने कहा कि अगली बार कांग्रेस की सरकार बनेगी, कोई रोक नहीं सकता। अगली बार फिर आप नहीं पूछोगे कि कांग्रेस में एकता नहीं है। पूर्व सीएम गहलोत ने सोमवार को ही कॉन्स्टिट्यूशन क्लब में कांग्रेस नेताओं के साथ डिनर किया था।

नरेन्द्र मोदी के प्रशासनिक जीवन के 25 साल पूरे

जनता के विश्वास को बताया अपनी ताकत

संचार जगत



नई दिल्ली। गुजरात के मुख्यमंत्री से देश के प्रधानमंत्री तक का सफर तय करते हुए नरेंद्र मोदी ने प्रशासनिक जीवन में 25 साल पूरे किए। इस मौके पर नई दिल्ली के इंदिरा गांधी इनडोर स्टेडियम में आयोजित कार्यक्रम में उन्होंने देश भर के भाजपा कार्यकर्ताओं को वर्चुअली संबोधित किया। इस मौके पर उन्होंने कहा कि करोड़ों लोगों का विश्वास उनकी सबसे बड़ी ताकत रहा है।

मोदी ने अपने सफर के उतार-चढ़ाव को याद करते हुए कहा कि विरोध ने लोकतंत्र, संकटों ने धैर्य और असफलताओं ने फिर खड़े होने की सीख दी। पीएम मोदी ने कहा कि सात अक्तूबर 2001 को जब उन्होंने गुजरात के मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली थी, तब उन्होंने नहीं सोचा था कि एक दिन सार्वजनिक जीवन में यह पड़ाव भी आएगा। उन्होंने कहा कि आज सरकार के प्रमुख के तौर पर देश की सेवा करते हुए 25 साल पूरे हो गए हैं। उन्होंने इसे जनता के लगातार मिल रहे आशीर्वाद का परिणाम बताया और भाजपा, एनडीए तथा लोकतंत्र में आस्था रखने वाले लोगों का आभार जताया। मोदी ने कहा कि आज वह जो कुछ भी हैं, उसमें सबसे बड़ा योगदान जनता जनार्दन का है। उन्होंने कहा कि 25 साल का जनविश्वास और 25 साल का अनुभव बड़ी पूंजी है। उन्होंने अपने स्कूल के दिनों को याद करते हुए कहा कि सीखने की ललक उनके जीवन का हिस्सा बन गई और वह आज भी खुद को एक विद्यार्थी मानते हैं। उन्होंने कहा कि उन्होंने ईश्वर से हमेशा यही मांगा कि सीखने की उनकी इच्छा कभी कम न हो। पीएम मोदी ने कहा कि चंद्रयान ने उन्हें असफलता से उठना सिखाया। कोरोना ने सामूहिक चेतना का पाठ पढ़ाया। मीडिया ने उन्हें खट्टे-मीठे अनुभवों से आगे बढ़ने की प्रेरणा दी। उन्होंने कहा कि हर गांव और हर गरीब ने उन्हें सिखाया कि साधन-संसाधन भले ही सीमित हों, लेकिन सपने बड़े होने चाहिए और हौसले बुलंद होने चाहिए। प्रधानमंत्री ने कहा कि वेद से विवेकानंद तक जिस राष्ट्र ने महान विचारों का अनुष्ठान किया है, जिस राष्ट्र का अनुभव हजारों साल का है और जिसने मानव को मानवता का भरोसा दिलाया है, वहां उन्हें कभी नहीं लगा कि वह अकेले हैं। पीएम मोदी ने कहा कि हम सेवक हैं, सेवा हमारा धर्म है और दीन-दुखियों की सेवा करना हमारा धर्म है। कार्यक्रम से पहले पीएम मोदी ने दिल्ली के श्री विनायक मंदिर में पूजा-अर्चना की। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सार्वजनिक जीवन के 25 साल पूरे होने पर दुनिया भर से शुभकामना संदेश आ रहे हैं। विदेशी नेताओं ने भारत में लोगों की भलाई के लिए समर्पित उनके जीवन की सराहना की है।

संकल्पों को नई ऊर्जा देने का समय

वी विल डू इट

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा है कि अब संकल्पों को नई ऊर्जा देने का समय है और वी विल डू इट। उन्होंने कहा कि आज का दिन सिर्फ पुरानी यादों को ताजा करने का नहीं, बल्कि अपने संकल्पों को नई ऊर्जा देने का है। उन्होंने कहा कि यह उस वादे और इरादे को दोहराने का दिन है कि हम करके रहेंगे। पीएम मोदी ने कहा कि वी विल डू इट। वी विल डू इट। पीएम मोदी ने कार्यकर्ताओं में जोश भरते हुए नारा लगवाया, विकसित भारत बाय 2047, वी विल डू इट। तीसरी सबसे बड़ी इकोनॉमी वी विल डू इट। आत्मनिर्भर भारत वी विल डू इट, ओलिंपिक्स का आयोजन वी विल डू इट, अंतरिक्ष में कदम वी विल डू इट। उन्होंने कहा कि ये ऊर्जा, ये आत्मविश्वास अद्भुत है। जहां ये बातें लहू बनकर दौड़ती हैं, उन्हें कोई रोक नहीं सकता।

जनसेवा यात्रा में शामिल हुए मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा

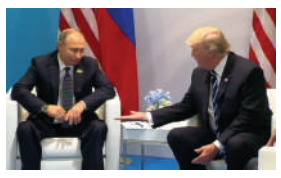
मोदी के 25 वर्षों के सेवाकाल पर वर्चुअल संवाद



संचार जगत

जयपुर। जयपुर के वी.टी. रोड स्थित मेला ग्राउंड में जनसेवा यात्रा एवं विकसित भारत संकल्प सभा सेवा ज्योति यात्रा का आयोजन किया गया। इसमें मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा, प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़ समेत बड़ी संख्या में लोगों ने सहभागिता की। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जनसेवा के 25 गौरवशाली वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर, इस कार्यक्रम के दौरान वर्चुअल माध्यम से उनका ओजस्वी और प्रेरणादायी उद्बोधन सुनने का अवसर मिला। राष्ट्र प्रथम और सुशासन को समर्पित यह 25 वर्षों का सेवाकाल प्रत्येक नागरिक को देश के नवनिर्माण के लिए नई ऊर्जा प्रदान करता है। प्रधानमंत्री के संवाद के बाद भजनलाल शर्मा ने सभा में उपस्थित जनसमूह को संबोधित किया और विकसित भारत 2047 के संकल्प को पूरा करने की शपथ ली गई। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के कुशल मार्गदर्शन में राजस्थान निरंतर प्रगति के नए आयाम छू रहा है। डबल इंजन की सरकार आधुनिक इंफ्रास्ट्रक्चर, जन-कल्याण और समग्र खुशहाली के संकल्प के साथ तेजी से आगे बढ़ रही है। इस अवसर पर उन्होंने जनता के साथ मिलकर प्रधानमंत्री के विकसित भारत 2047 के लक्ष्य को गति देने और राजस्थान को देश के अग्रणी राज्यों की श्रेणी में स्थापित करने का दृढ़ संकल्प दोहराया गया। इस दौरान प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़ सहित अन्य जनप्रतिनिधिगण और गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

ट्रंप और पुतिन के बीच जल्द होगी मुलाकात



संचार जगत

वाशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के साथ उनकी बातचीत बहुत जल्द होने वाली है। उन्होंने संकेत दिया कि वाशिंगटन इस पर जल्द ही कुछ और जानकारी दे सकता है, क्योंकि अभी बहुत गहरी चर्चा चल रही है। ट्रंप ने पत्रकारों से बातचीत के दौरान इस बातचीत की योजना के बारे में बताया। ट्रंप ने कहा है कि वह रूस-यूक्रेन युद्ध को खत्म करना चाहते हैं। उन्होंने माना कि यह संघर्ष शुरू में जितना सोचा था, उससे ज्यादा मुश्किल साबित हुआ है। ट्रंप ने कहा कि मैंने आठ युद्ध खत्म किए।

प्रधानमंत्री जन औषधि केंद्र का हुआ शुभारंभ

संचार जगत



जयपुर। जयपुर के मालवीय नगर में प्रधानमंत्री जन औषधि केंद्र का राजस्थान का 55 वां सेंटर खुल गया है। सहकारिता राज्यमंत्री गौतम कुमार दक ने इस केंद्र का शुभारंभ किया। इस मौके पर सहकारिता विभाग के शासन सचिव डॉ. समित शर्मा ने बताया कि आखिर क्यों जेनेरिक दवाईयां जरूरी है। पीएमबीआई के सीईओ शांतनु कुमार ने कहा कि प्रधानमंत्री जन औषधि केंद्र का उद्देश्य महंगी दवाईयों को सस्ती दर पर मरीजों को उपलब्ध करवाना है। समारोह में सहकारिता मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री का मानना है कि देश में आम परिवार के हर व्यक्ति को उचित कीमत पर दवाएं मिलनी चाहिए। उन्होंने हमेशा इस बात पर ज़ोर दिया है और राजस्थान में हमने भी लगातार कोशिशें की हैं ताकि आम आदमी जिसमें गरीब भी शामिल हैं उन्हें चिकित्सा सुविधाएं मिल सकें। हमारा मकसद उन्हें ज़रूरी दवाएं उपलब्ध कराना है। क्योंकि खुले बाज़ार से खरीदी गई दवाएं अक्सर महंगी होती हैं।

चेक बाउंस केस में राजपाल यादव को मिली मोहलत

संचार जगत



नई दिल्ली। चेक बाउंस के 7 मामलों में सजा का सामना कर रहे अभिनेता राजपाल यादव को पैसा जमा कराने की मोहलत मिल गई है। अब उनको 2 करोड़ रुपए जमा कराने के लिए 13 अक्टूबर तक का समय मिल गया है। सुप्रीम कोर्ट ने एक्टर को मोहलत दी जिसके बाद उन्होंने राहत की सांस ली। राजपाल यादव चेक बाउंस केस में आरोपी हैं। पिछली सुनवाई में सुप्रीम कोर्ट ने एक्टर को कड़े शब्दों में फटकार लगाई थी। कोर्ट ने सुनवाई के दौरान उनके रवैये पर कड़ी नाराजगी जताई थी, लेकिन अब एक्टर को बड़ी राहत मिल गई है। सीजेआई सूर्यकांत, जस्टिस जॉयमाल्या बागची और जस्टिस वी. मोहना की बेंच ने मामले की सुनवाई की। सुनवाई के दौरान राजपाल यादव की ओर से बताया गया कि 2 करोड़ रुपए जमा करने की शर्त के तहत एक करोड़ 15 लाख रुपये की रकम का इंतजाम हो चुका है। वहीं, बाकी 85 लाख रुपये जमा करने के लिए एक जमीन के खरीदार का हवाला दिया गया है।

सीएनजी और पीएनजी के बढ़े दाम

संचार जगत

जयपुर। त्योहारी सीजन से ठीक पहले जयपुर के वाशिंदों को महंगाई का तगड़ा झटका लगा है। राजधानी में पाइप लाइन के जरिए घरों में सप्लाई होने वाली रसोई गैस पीएनजी और वाहनों में इस्तेमाल होने वाली कंप्रेस्ड नेचुरल गैस सीएनजी महंगी हो गई है। गैस आपूर्ति कंपनी टोरेंट गैस ने दोनों के दामों में करीब 2 रुपए की बढ़ोतरी की है। कंपनी द्वारा जारी नई दर सूची के अनुसार, घरेलू पीएनजी की मूल दर को 47.91 रुपए से बढ़ाकर 49.77 रुपए प्रति स्टैंडर्ड क्यूबिक मीटर एससीएम कर दिया गया है। टैक्स जुड़ने के बाद अब उपभोक्ताओं को पीएनजी 51.50 रुपए के स्थान पर 53.50 रुपए प्रति एससीएम की दर से मिलेगी। यानी प्रति एससीएम सीधे 2 रुपए का इजाफा हुआ है। वर्तमान में जयपुर शहर के करीब 50 हजार घरों में पाइप लाइन के जरिए नेचुरल गैस की सप्लाई की जा रही है, जिन पर इस मूल्य वृद्धि का सीधा असर पड़ेगा।

आरबीआई ने साढ़े तीन साल बाद बढ़ाई रेपो रेट

संचार जगत



नई दिल्ली। भारतीय रिजर्व बैंक ने बुधवार को रेपो दर में 25 आधार अंक की वृद्धि की है। इस बढ़ोतरी के बाद रेपो दर अब 5.5 फीसदी हो गई है। यह फैसला बढ़ती मुद्रास्फीति पर लगाम लगाने के उद्देश्य से लिया गया है। पश्चिम एशिया में जारी संकट के बीच यह कदम उठाया गया है। यह लगभग साढ़े तीन साल के बाद रेपो दर में की गई पहली वृद्धि है। इस दर वृद्धि से होम लोन, वाहन लोन और कॉर्पोरेट लोन महंगे हो जाएंगे। मौजूदा कर्जदारों के लिए मासिक किस्त ईएमआई भी बढ़ जाएगी। आरबीआई द्वारा अल्पकालिक उधार दर में यह वृद्धि पिछली नीतिगत कार्रवाई के विपरीत है। पिछली बार रेपो दर फरवरी 2023 में बढ़ाई गई थी। तब आरबीआई ने दर को 0.25 फीसदी बढ़ाकर 6.50 फीसदी किया था। केंद्रीय बैंक ने 2023-24 के दौरान दर को अपरिवर्तित रखा था। इसके बाद 2025 में दर-कटौती चक्र शुरू किया गया था। मौद्रिक नीति समिति ने सर्वसम्मति से नीतिगत रेपो दर में 25 आधार अंक की वृद्धि का निर्णय लिया। आरबीआई गवर्नर संजय मल्होत्रा ने दो महीने के अंतराल पर होने वाली एमपीसी की बैठक के दौरान लिए गए फैसलों की घोषणा करते हुए बताया कि यह निर्णय भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए दूरगामी परिणाम लाएगा। बाजार विशेषज्ञों का मानना है कि इस कदम से वित्तीय स्थिरता को बढ़ावा मिलेगा।

यूक्रेन की नाटो सदस्यता पर अभी विचार नहीं

मार्को रुबियो ने दिए संकेत



संचार जगत

वॉशिंगटन। अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने कहा कि फिलहाल यूक्रेन की नाटो सदस्यता पर कोई विचार नहीं हो रहा है क्योंकि अमेरिका रूस के साथ युद्ध को खत्म करने की कोशिशों पर ध्यान केंद्रित कर रहा है। रूबियो ने इस लड़ाई के आगे बढ़ने के तरीके पर भी चिंता जताई। उन्होंने कहा कि वॉशिंगटन हालात के ट्रेंड पर नजर रख रहा है और ऐसा नहीं लग रहा कि लड़ाई खत्म होने की तरफ बढ़ रही है। रेक्याविक में आइसलैंड की विदेश मंत्री थोरगेरदुर कैट्रिन गुन्नार्सडॉटिर के साथ मीडिया ब्रीफिंग में उन्होंने कहा कि अभी हमारा पूरा ध्यान यूक्रेन के मामले में इस लड़ाई को खत्म करने पर है, अगर ऐसा मुमकिन हो तो।

पंजाब में सियासी घमासान तेज



संचार जगत

संगरूर। पंजाब में मुख्यमंत्री भगवंत मान के कैंप ऑफिस और उनके ओएसडी राजबीर सिंह घुम्मन से जुड़े ठिकानों पर सीबीआई की कार्रवाई के बाद सियासी घमासान तेज हो गया है। संगरूर में मुख्यमंत्री भगवंत मान ने आरोप लगाया कि सीबीआई की रेड से यह पता चल गया है कि पंजाब में चुनाव आने वाले हैं। उन्होंने कहा कि यह बीजेपी के काम करने का तरीका है कि चुनाव नजदीक आते ही विपक्षी नेताओं और उनके परिवारों को जांच एजेंसियों के जरिए परेशान किया जाता है। हालांकि सीबीआई का कहना है कि उसने पंजाब और चंडीगढ़ में आठ ठिकानों पर तलाशी ली और कार्रवाई के दौरान लैपटॉप, मोबाइल फोन और दस्तावेज जब्त किए गए हैं, जिनकी जांच की जा रही है। सीबीआई ने यह कार्रवाई पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट के आदेश के बाद दर्ज एफआईआर के आधार पर की है। भगवंत मान ने कहा कि सीबीआई ने जहां-जहां छापेमारी की, वहां उन्हें कुछ नहीं मिला। मुख्यमंत्री का दावा है कि जांच एजेंसी के अधिकारी कार्रवाई के बाद चुपचाप चले गए और उन्हें कुछ हासिल नहीं हुआ। मान ने कहा कि उनके ओएसडी राजबीर घुम्मन के गांव के लोग भी उनके समर्थन में हैं।

कांग्रेस का ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे तक संघर्ष का ऐलान

संचार जगत

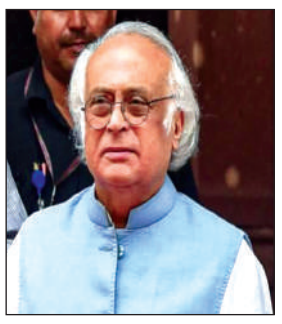




नई दिल्ली। ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग को लेकर विपक्षी सांसद थोड़ी देर में जंतर-मंतर पर प्रदर्शन करेंगे। राहुल-प्रियंका सहित इंडिया ब्लॉक के सांसद बस में बैठकर प्रदर्शन वाली जगह पहुंचे। राहुल ने कहा- ज्ञानेश कुमार वैध चुनाव आयुक्त नहीं है। उन्हें हटना होगा। इससे पहले जनपथ पर सागर रत्ना रेस्टोरेंट में दिल्ली पुलिस ने आकाशवाणी कार्यालय में कथित जबरन प्रवेश के मामले में लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी, कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा और अन्य सांसदों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की है। पुलिस के अनुसार, मामले की जांच जारी है और आगे की जानकारी जांच के बाद सामने आएगी।पुलिस के मुताबिक, इस संबंध में शिकायत प्राप्त हुई थी, जिसमें राहुल गांधी, प्रियंका गांधी वाड्रा समेत कई सांसदों पर आकाशवाणी कार्यालय में जबरन प्रवेश करने का आरोप लगाया गया है। पुलिस के अनुसार प्रदर्शनकारियों से आकाशवाणी भवन परिसर खाली करने के लिए कहा गया, लेकिन उन्होंने वहां से जाने से इनकार कर दिया। प्रदर्शनकारी नेताओं का कहना था कि जब तक उनके सांसदों के प्रतिनिधिमंडल को निर्वाचन आयोग के अधिकारियों से मिलने का समय नहीं दिया जाता, वे वहां से नहीं हटेंगे। दिल्ली पुलिस ने बताया कि शिकायत के आधार पर मामले में एफआईआर दर्ज कर ली गई है। विपक्षी सांसदों ने करीब 1:30 घंटा लंच किया। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने इंडिया ब्लॉक के सांसदों को लंच पर बुलाया था। एक दिन पहले इंडिया ब्लॉक के 200 से ज्यादा सांसदों ने संसद से चुनाव आयोग के ऑफिस तक मार्च निकाला था, लेकिन उन्हें पहले ही रोक दिया गया। इसके बाद राहुल और प्रियंका ने आकाशवाणी परिसर में 8 घंटे धरना दिया था।

कांग्रेस ने राहुल गांधी पर दर्ज एफआईआर का किया विरोध

संचार जगत



नई दिल्ली। कांग्रेस ने कहा है कि एसआईआर से करोड़ों मतदाताओं का संविधान प्रदत मतदान का अधिकार प्रभावित हुआ है और इसके खिलाफ सत्याग्रह करने पर लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी और अन्य के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज करना प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और गृहमंत्री अमित शाह की गहरी हताशा को दर्शाता है। कांग्रेस संचार विभाग के प्रभारी जयराम रमेश ने सोशल मीडिया एक्स पर लिखा कि राहुल गांधी करीब दो साल से तथ्यात्मक साक्ष्यों के माध्यम से प्रधानमंत्री और गृहमंत्री की ओर से मुख्य चुनाव आयुक्त के साथ मिल कर रची गई कथित वोट चोरी की साजिश को सामने ला रहे हैं। उन्होंने कहा कि चुनाव आयोग के एसआईआर के कारण करोड़ों मतदाताओं ने अपना संविधान प्रदत्त मतदान का अधिकार खो दिया है। जयराम रमेश ने कहा कि जब लोकसभा में विपक्ष के नेता ने एसआईआर से जुड़ी ज्यादतियों को सामने रखने के लिए सत्याग्रह का तरीका अपनाया तो दिल्ली पुलिस ने उनके और अन्य नेताओं के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज करा दी।

सम्पादकीय

पर्यटन का समन्वित विकास

अचानक या चौबीस घंटे पर्यटन के लिए हम कितना तैयार हैं, यह बरसात के बाद दो से चार अक्तूबर के बीच आए सैलानियों की संख्या व वाहनों की कतार से दर्ज हो रहा है। बेशक बढ़ता पर्यटन राहत देता है, क्योंकि राज्य में इस समय सबसे अधिक निजी निवेश इसी उद्योग में हो रहा है। यह एकतरफा निवेश है, जहां पर्यटन के नाम पर होटल व रेस्तरां तो निर्मित हो रहे हैं, लेकिन पर्यटक स्थलों की अधोसंरचना, सडक़ों का रखरखाव, वाहनों के लिए माकूल पार्किंग, सफाई तथा नागरिक सुविधाओं में विस्तार नहीं हो पा रहा है। नतीजतन जब अचानक लंबा सप्ताहांत, त्योहार या छुट्टियां आ जाती हैं, तो पर्यटक स्थल जाम में फंस जाते हैं। दो से चार अक्तूबर के सेलिब्रेशन में पर्यटन का जखीरा बिखर जाता है। अकेले शिमला में ही एक लाख के करीब वाहन या पूरे हिमाचल में निजी वोल्वो तथा पर्यटक बसों की तादाद अगर 500 से अधिक तक पहुंच जाती है, तो ऐसे वाहनों के लिए पार्किंग स्थल बनाने होंगे। मनाली की तर्ज पर शिमला, धर्मशाला, बीड़-बिलिंग व कुछ अन्य डेस्टिनेशन पर पर्यटक तथा निजी वोल्वो बसों के बस स्टैंड व सुविधा केंद्र विकसित करने चाहिएं। ट्रैफिक जाम व्यवस्थागत प्रश्न भी है और इसके समाधान के लिए पुलिस पेट्रोलिंग के अलावा पूरे प्रदेश के पर्यटन मानचित्र का संचालन ऐप के जरिए करना होगा। तमाम प्रवेश द्वारों पर ही पर्यटकों का पंजीकरण करके इन्हें ऐप के जरिए अपनी यात्रा, सुविधाओं, सुरक्षा तथा सहायता की गारंटी मिलनी चाहिए। आश्चर्य तब होता है जब हम पर्यटक को शौचालय तक मुहैया नहीं करवा पाते। ट्रैकिंग स्थलों पर सुरक्षा, पेयजल तथा टॉयलट का प्रबंध करना होगा। अचानक और 24 घंटे के पर्यटन के लिए तैयारी का आलम यह कि भारी भीड़ में हमारे गंतव्य दब जाते हैं।

आकर्षण या मनोरंजन के विकल्प मिट जाते हैं। रह जाती हैं यादें उस कठिन दौर या अव्यवस्था की, जो परिवहन से शुरू होकर सुकून तक परेशान होती हैं। पर्यटन के प्रति किसी भी सरकार का कोई संकल्प पत्र सामने नहीं आता, बल्कि राजनीति की हंडिया में हर बार कुछ ऐसा पक जाता है जो पर्यटन के नजरिए को मजबूत नहीं करता। अब ट्रैफिक जाम ही अगर हिमाचल की पर्यटन गतिविधियों का परिणाम है, तो ये सिलसिले एक दिन बहुत कुछ खारिज कर देंगे। पर्यटन क्षेत्र में समन्वित विकास की नई रूपरेखा बननी चाहिए। जिन गंतव्यों में निजी निवेश ने बाहें फैलाई हैं, वहां सार्वजनिक निवेश की भूमिका भी तय होनी चाहिएं।

कैप्टन स्मित मच्छार , भारतीय बहादुरी के सच्चे प्रणेता

महात्मा गांधी ने कहा था, 'साहस भय की अनुपस्थिति नहीं, बल्कि भय पर विजय है।' कैप्टन स्मित मच्छार ने प्रधानमंत्री से चर्चा करते हुए बताया कि उन्हें हनुमान चालीसा से बहुत आत्म बल प्राप्त हुआ और इसी हनुमान चालीसा को याद करते हुए उन्होंने 174 यात्रियों की जीवन रक्षा की कोशिश की, बहादुरी का अर्थ केवल शत्रु से लड़ना नहीं है। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को अपना आदर्श बताया। मृत्यु सामने खड़ी हो, तब भी कर्तव्य से विमुख न होना। जब अपने प्राण संकट में हों और सामने सैकड़ों निर्दोष लोगों का जीवन दाँव पर लगा हो, तब अपने भय को पराजित करके दूसरों की रक्षा के लिए आगे बढ़ना ही वास्तविक वीरता है।

स्मित मच्छार की बहादुरी हमें भारत की उस गौरवशाली परंपरा की याद दिलाती है जिसमें वीरता का अर्थ केवल युद्ध में शत्रु को परास्त करना नहीं, बल्कि संकट में निर्दोषों की रक्षा करना है। नीरजा भनोट ने विमान में यात्रियों की जान बचाने के लिए अपने प्राणों की आहुति दी थी। स्मित मच्छार की परिस्थिति अलग थी, लेकिन दोनों के साहस का मूल भाव एक है अपने से पहले दूसरों के जीवन की सुरक्षा।

भारतीय पायलट कैप्टन स्मित मच्छार ने आकाश में घटित जिस भयावह घटना के बीच अदम्य साहस और असाधारण सूझ-बूझ का परिचय दिया, वह भारतीय साहस की परंपरा को गौरवान्वित करने वाली घटना है। 30 सितंबर 2026 को फ्लाईदुबई की उड़ान स्ं1073 दुबई से तेल अवीव के लिए रवाना हुई थी। विमान में 174 यात्री और चालक दल के सदस्य सवार थे। उड़ान के दौरान कॉकपिट में सह-पायलट ने कैप्टन स्मित मच्छार पर अचानक हमला कर दिया। प्रारंभिक रिपोर्टों के अनुसार हमलावर ने क्रैश-ऐक्स से उन पर वार किया। इस हमले में कैप्टन गंभीर रूप से घायल हो गए। स्थिति इतनी भयावह थी कि विमान कुछ ही क्षणों में हजारों फीट नीचे चला गया। बाद की जाँच में संयुक्त अरब अमीरात के अधिकारियों ने इस घटना को आतंकवादी कृत्य के रूप में वर्गीकृत किया है।





लेकिन असली कहानी उस हमले से शुरू नहीं होती, बल्कि उस क्षण से शुरू होती है जब गंभीर रूप से घायल कैप्टन स्मित मच्छार के सामने दो विकल्प थे या तो वे अपने जीवन को बचाने के लिए संघर्ष करें अथवा विमान में बैठे सैकड़ों लोगों की जिंदगी को बचाने का जोखिम उठाएँ। उन्होंने दूसरा रास्ता चुना। गंभीर चोटों के बावजूद उन्होंने कॉकपिट का दरवाजा खोलने का निर्णय लिया। यही निर्णय निर्णायक साबित हुआ। यात्रियों और चालक दल के लोगों को भीतर आने का अवसर मिला और हमलावर को काबू किया जा सका। विमान को बाद में सऊदी अरब के तबूक हवाई अड्डे पर आपातकालीन रूप से उतारा गया। विमान में सवार सभी 174 यात्रियों की जान बच गई।

कल्पना कीजिए उस परिस्थिति की। हजारों फीट की ऊँचाई पर उड़ता हुआ विमान, कॉकपिट के भीतर हिंसक हमला, स्वयं कप्तान गंभीर रूप से घायल और दूसरी ओर 174 लोगों की जिंदगी। सामान्य परिस्थितियों में मनुष्य का शरीर ही नहीं, उसका मन भी भय से काँप सकता है। लेकिन स्मित मच्छार ने उस क्षण अपने दर्द और भय को अपने कर्तव्य के आगे छोटा कर दिया।

उनके शब्द इस साहस को और अधिक मानवीय बना देते हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से अस्पताल में बातचीत के दौरान उन्होंने बताया कि घायल अवस्था में उन्होंने स्वयं से कहा कि यही अंतिम प्रयास है दरवाजा सामने है, उसे खोलना होगा। यह वाक्य केवल एक पायलट की प्रतिक्रिया नहीं है यह उस मानसिक शक्ति का परिचय है जो असाधारण संकट में असाधारण निर्णय लेने की क्षमता देती है। स्मित मच्छार की घटना इस विचार को जीवंत करती है। उन्हें भय अवश्य रहा होगा, शरीर ने दर्द भी महसूस किया होगा, मृत्यु का खतरा भी सामने रहा होगा लेकिन उन्होंने भय को अपने निर्णय पर हावी नहीं होने दिया। यही वास्तविक साहस है। उनकी बहादुरी का दूसरा महत्वपूर्ण पक्ष है कर्तव्यबोध। विमान का कप्तान केवल विमान उड़ाने वाला व्यक्ति नहीं होता। उसके हाथों में यात्रियों का विश्वास होता है। सैकड़ों परिवार अपने प्रियजनों को उसकी जिम्मेदारी पर सौंपते हैं। स्मित मच्छार ने उस विश्वास को संकट की सबसे कठिन घड़ी में निभाया।

इस घटना में एक और मानवीय पक्ष सामने आता है। विमान में मौजूद एक दंत चिकित्सक ने गंभीर रूप से घायल कैप्टन की मदद की। उन्होंने उनके घावों पर कपड़े से दबाव बनाया और उन्हें होश में बनाए रखने की कोशिश की। यात्रियों और अन्य पायलटों ने भी संकट की घड़ी में सहयोग किया। इस प्रकार यह केवल एक व्यक्ति की बहादुरी की कहानी नहीं, बल्कि संकट के समय मनुष्य की सामूहिक मानवीय शक्ति की कहानी भी बन गई।

फिर भी इस पूरे घटनाक्रम के केंद्र में स्मित मच्छार ही दिखाई देते हैं, क्योंकि निर्णायक क्षण में पहला जोखिम उन्होंने उठाया। उन्होंने दरवाजा खोला और दूसरों को सहायता का अवसर दिया। यदि वह निर्णय कुछ क्षण भी देर से होता तो परिणाम कितना भयावह हो सकता था, इसकी कल्पना मात्र से रोंगटे खड़े हो जाते हैं।

स्मित मच्छार की बहादुरी हमें भारत की उस गौरवशाली परंपरा की याद दिलाती है जिसमें वीरता का अर्थ केवल युद्ध में शत्रु को परास्त करना नहीं, बल्कि संकट में निर्दोषों की रक्षा करना है। नीरजा भनोट ने विमान में यात्रियों की जान बचाने के लिए अपने प्राणों की आहुति दी थी। स्मित मच्छार की परिस्थिति अलग थी, लेकिन दोनों के साहस का मूल भाव एक है—अपने से पहले दूसरे का जीवन।

आज जब संसार तकनीक, कृत्रिम बुद्धिमत्ता और आधुनिक सुविधाओं की चर्चा कर रहा है, तब यह घटना हमें याद दिलाती है कि किसी भी तकनीक की अंतिम सुरक्षा मनुष्य के विवेक, प्रशिक्षण और चरित्र पर निर्भर करती है। विमान अत्याधुनिक हो सकता है, उसमें असंख्य सुरक्षा प्रणालियाँ हो सकती हैं, लेकिन संकट की अंतिम घड़ी में निर्णय मनुष्य ही लेता है। स्मित मच्छार ने उस परीक्षा में अपने साहस और प्रशिक्षण की असाधारण मिसाल प्रस्तुत की।

उनकी बहादुरी की प्रशंसा भारत ही नहीं, अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी हुई है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने उनके साहस को सराहा। अमेरिकी प्रतिनिधि सभा में भी उन्हें सम्मानित करने के लिए प्रस्ताव प्रस्तुत किया गया है। लेकिन किसी भी पुरस्कार से बड़ा पुरस्कार वह विश्वास है जो 174 यात्रियों के परिवारों के मन में उनके प्रति पैदा हुआ है।

भौतिक सुविधा और लोगों की खुशी की खातिर मानसिक सुकून से समझौता

आज के युग में स्वार्थ, लालच, द्वेष, चरित्रहीनता, भ्रष्टाचार, नशाखोरी, मिलावटखोरी, प्रदूषण, भेदभाव और मनुष्य की असीमित इच्छाओं की पूर्ति के लिए चल रहा कभी न खत्म होने वाला संघर्ष जिंदगी का सुकून छीन रहा है। हर कोई अपने ख्वाबों को पूरा करने के लिए भेड़चाल में भाग रहा है। किसी के पास रोजगार नहीं, किसी के पास प्रेम नहीं, परिवार नहीं, चरित्रवान जीवनसाथी नहीं, निरोगी शरीर नहीं, संस्कारशील बच्चे नहीं, सहयोगी परिवार और मित्र नहीं, समय नहीं, नाम और शोहरत नहीं, कोई सहारा नहीं तो किसी के पास धन-दौलत नहीं। दुनिया में कोई भी व्यक्ति जीवन की सभी खुशियों, सुकून और सुख-सुविधाओं के साथ परिपूर्ण नहीं हो सकता। समस्याएं सभी के जीवन में होती हैं, लेकिन उनके कारण पूरे जीवन परेशान रहकर और डर-डरकर जीना उचित नहीं है। हमारे पास जो उपलब्ध है, उसे समाधान मानने के बजाय मनुष्य असंतोषी बनकर अपने जीवन को स्वयं ही कष्टमय बना रहा है। मनुष्य अपने जीवन में खुशी की परिभाषा बदल रहा है। वह दूसरों के दु:ख में खुशी और



दूसरों की खुशी में ईर्ष्या से भर जाता है। अपने स्वार्थ के लिए प्रकृति का दोहन करता है और फिर स्वयं ही अशुद्ध हवा, पानी, भोजन और बीमारियों की समस्याओं से परेशान होता है। भौतिक सुविधाओं के पीछे भागते हुए आज पैसा ही ईश्वर बन चुका है, यह साबित करने पर लोग तुले हुए हैं। आज मानसिक स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं अत्यधिक तेजी से बढ़ी हैं, लेकिन लोग इन समस्याओं से समझौता करके घुट-घुटकर जी रहे हैं। तनाव के कारण सिज़ोफ्रेनिया और मनोविकार, द्विध्रुवी और मनोदशा विकार, प्रमुख अवसादग्रस्तता विकार, पोस्ट-ट्रॉमेटिक स्ट्रेस डिसऑर्डर और गंभीर चिंता, खाने के विकार, मादक द्रव्यों के सेवन संबंधी विकार, टाइप-2 मधुमेह और चयापचय सिंड्रोम, हृदय रोग, मोटापा, क्रॉनिक ऑब्सट्रक्टिव पल्मोनरी डिजीज, तंत्रिका संबंधी और मस्कुलोस्केलेटल समस्याएं, क्रॉनिक दर्द सिंड्रोम, माइग्रेन, ऑस्टियोपोरोसिस और गति संबंधी विकार, गैस्ट्रोइंटेस्टाइनल तथा प्रतिरक्षा संबंधी विकार जैसे अनेक गंभीर विकार होते हैं। मानसिक स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिए दुनियाभर में हर साल 10 अक्टूबर को 'विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस' मनाया जाता है। वर्ष 2026 में विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस की थीम 'निजी अनुभवों को सुनना: असली आवाज़ें, असली बदलाव' है। मनुष्य को पशुओं की भांति सरल जीवन जीना चाहिए, लेकिन झूठे दिखावे और आधुनिकता की होड़ में वह अपने मानसिक स्वास्थ्य को बर्बाद कर रहा है। कई बार जीवन में दूसरों की खुशी के लिए इंसान अपनी खुशी भी त्याग देते हैं। यह सिलसिला चलता रहता है और दूसरों की खुशी का ख्याल रखते-रखते हम अपनी मानसिक शांति खो बैठते हैं। जीवन में सबसे ज्यादा जरूरी मानसिक सुकून है, जिसके कारण मनुष्य चैन की सांस लेता है। मानसिक सुकून हमारे मन की खुशी से जुड़ा होता है। इसे हम खरीद नहीं सकते, बल्कि अपने सत्कर्मों और अच्छे आचरण से ही प्राप्त कर सकते हैं। कुछ समय पहले मैंने एक खबर पढ़ी थी कि अमेरिका की सिलिकन वैली के एक भारतीय उद्यमी ने अपनी 100 करोड़ रुपये की संपत्ति और आलीशान जीवनशैली त्यागकर भारत के एक छोटे से गांव में आकर बस गया। उसने भौतिक सुख-सुविधाओं के बजाय मानसिक सुकून, प्रकृति के निकट जीवन और आत्मिक संतुलन को प्राथमिकता दी। यह केवल एक उदाहरण नहीं है; दुनिया में ऐसे अनेक उदाहरण देखने को मिल जाएंगे। जीवन में मानसिक शांति नहीं हो तो हमारे पास सब कुछ होते हुए भी हम भीड़ में खुद को तनहा पाते हैं। हमारा जीवन सबसे अनमोल है और मानसिक शांति हमारे जीवन की असली सफलता को दर्शाती है कि हम कितने सुकून से जी रहे हैं। पैसा केवल क्षणिक सुविधाएं खरीद सकता है। हमारे देश में मजदूर और किसान वर्ग में आत्महत्या की घटनाएं अधिक देखने को मिलती हैं। छोटे व्यापारी वर्ग, छात्र, गृहिणी, युवा और सरकारी कर्मचारी वर्ग में भी आत्महत्या की घटनाएं बढ़ी हैं। इसके मुकाबले राजनीतिक रसूख वाले व्यक्तियों और नेताओं में यह समस्या नजर नहीं आती। नेता अच्छे हों या बुरे, लेकिन मानसिक तनाव का बेहतर प्रबंधन की कला उनसे सीखनी चाहिए। उन्हें अनेक बार राजनीतिक, सामाजिक और व्यक्तिगत दबावों का सामना करना पड़ता है। चुनाव हारना, आरोपों का सामना करना, घोटालों में जांच एजेंसियों की कार्रवाई, मीडिया में आलोचना, अदालतों में मामले, राजनीतिक मतभेद, धमकियां या आर्थिक-सामाजिक नुकसान जैसी परिस्थितियां उनके सामने आती रहती हैं। इसके बावजूद अनेक नेता कठिन परिस्थितियों में भी अपने सार्वजनिक दायित्वों को निभाते हुए संयम और आत्मविश्वास बनाए रखते हैं। चुनावी दौर में उम्रदराज होने के बावजूद कई नेता लगातार सैकड़ों-हजारों किलोमीटर की यात्रा करते हैं।

कविता

मत की चोरी

जनता के अधिकार पर, मंडराता अंधकार।
मत की चोरी रोकना, लोकतंत्र का सार।।
आरोपों के दौर में, उठते कई सवाल।
सच क्या है, यह सामने, आए अब हर हाल।।
जनता के मत पर जो, डाले अपनी घात।
लोकतंत्र की पीठ पर, करता है आघात।।
कुर्सी की खातिर यहाँ, बिकने लगे उसूल।
सत्ता मिलते ही हुए, सारे वादे धूल।।
मतदाता को भूलकर, सत्ता में मदमस्त।
जनता जागी एक दिन, सिंहासन हो ध्वस्त।।
जनता के अधिकार को, समझा जिसने माल।
वक्त पड़ेगा एक दिन, होगा उसका हाल।।
मत की चोरी हो अगर, चुप मत रहना आज।
लोकतंत्र की नींव पर, होता गहरा आघात।।
मत का सौदा जो करे, उससे पूछो बात।
जनता के अधिकार की, सौरभ ये है मात।।
चेहरे पर मुस्कान है, भीतर काला खेल।
जनता के विश्वास से, करे रोज़ ही खेल।।
सत्ता के गलियार में, गूँजे झूठे बोल।
जनता के हर प्रश्न का, कौन चुकाए मोल।।
लोकतंत्र के नाम पर, होता जब व्यापार।
जनता के विश्वास पर, होता सीधा वार।।
जनादेश के नाम पर, मत करना व्यापार।
जनता के विश्वास का, रखिए सदा विचार।।
मत की ताकत कम नहीं, मत समझो कमजोर।
एक-एक मत बदलता, सत्ता का हर दौर।।
झूठे दावों से कभी, सच सके नहीं हार।
जनता जब जागे तभी, खुलता पूरा सार।।
मतपेटी की पवित्रता, रखिए सदा महान।
इसमें जनता की बसी, आशा और' अरमान।।
सत्ता चाहे जो मिले, मत का रखिए मान।
जनता के अधिकार से, ऊँचा नहीं विधान।।
आरोपों का दौर है, चारों ओर सवाल।
निष्पक्ष जांच ही करे, सही खुलासा हर हाल।।
देश-विरोधी शक्तियाँ, करतीं अपना काम।
जनता के विश्वास को, करतीं है बदनाम।।
लोकतंत्र की नींव में, जनता का विश्वास।

'जब डाकिया झोले में खत नहीं भावनाएं लेकर आता था'

विश्व डाक दिवस पर उस दौर को याद करने की जरूरत है, जब डाकखाना सरकारी दफ्तर नहीं, भावनाओं का पता हुआ करता था।

एक समय था जब डाकखाना केवल सरकारी दफ्तर नहीं हुआ करता था। वह भावनाओं का पता हुआ करता था। वहां से निकलने वाला हर खत किसी न किसी के जीवन में उम्मीद, अपनापन और इंतजार लेकर जाता था। डाकिया जब गली में आता था तो कई आंखें उसके चेहरे को पढ़ने लगती थीं, शायद आज मेरा कोई खत आया हो।

किसी मां के लिए वह दूर शहर में रह रहे बेटे की कुशलता की खबर लाता था। किसी पिता के लिए पढ़ाई कर रहे बच्चे का संदेश, किसी पत्नी के लिए परदेस गए पति की याद और किसी दोस्त के लिए वर्षों पुरानी मित्रता की खुशबू। तब चिट्ठियां केवल कागज नहीं थीं, उनमें धड़कते हुए दिल हुआ करते थे।

स्याही से लिखे कुछ शब्द महीनों की दूरी को पल भर में मिटा देते थे। लोग खत पढ़ते थे, फिर दोबारा पढ़ते थे और फिर संभालकर रख देते थे। कई बार तो पुराने खत संदूक में वर्षों तक सुरक्षित रहते थे। कागज पीला पड़ जाता था, लेकिन उस पर लिखी भावनाएं बूढ़ी नहीं होती थीं।

विश्व डाक दिवस हमें केवल डाक व्यवस्था के इतिहास को याद करने का अवसर नहीं देता, बल्कि उस दौर को भी याद करने का अवसर देता है जब एक डाकिया किसी परिवार का हिस्सा सा हुआ करता था। उसे घर का पता ही नहीं, घर के लोगों की चिंता भी मालूम होती थी। किसका बेटा बाहर नौकरी करता है, किसकी बेटी की शादी हुई है, किस घर में किसी का इंतजार है, डाकिया इन कहानियों से अनजान नहीं होता था।

कई बार खत देने वाला डाकिया केवल संदेश नहीं देता था, उस संदेश का भाव भी आंखों और चेहरे से पहुंचाता था। किसी की चिट्ठी देखकर मुस्कुरा देता, किसी के घर मनीऑर्डर पहुंचाकर परिवार की खुशी में शामिल हो जाता और कभी किसी तार की खबर लेकर आता तो उसकी आवाज तक बदल जाती थी। वह सिर्फ डाक विभाग का कर्मचारी नहीं, समाज के रिश्तों के बीच चलता-फिरता पुल था।

फिर समय बदला। खत की जगह फोन ने ले ली, फोन की जगह मोबाइल और मोबाइल के साथ संदेश, वीडियो कॉल और ई-मेल ने दुनिया को हथेली पर ला दिया। निश्चित रूप से इस बदलाव ने जीवन आसान किया। किलोमीटर की दूरियां समाप्त हुईं, संदेश सेकंडों में पहुंचने लगे। लेकिन एक सवाल आज भी हमारे सामने खड़ा है, क्या तकनीक ने दूरियां कम करते-करते रिश्तों के बीच का धैर्य भी कम कर दिया? पहले किसी से नाराजगी होती थी तो आदमी खत लिखता था। लेकिन खत लिखकर डाक में डालने और सामने वाले तक पहुंचने के बीच समय होता था। कई बार इसी समय में गुस्सा ठंडा पड़ जाता था। लिखे हुए शब्दों को दोबारा पढ़ने का अवसर मिलता था और मन कहता था, रहने दो, इतना भी क्या नाराज होना। आज गुस्सा आया और फोन उठाया। कुछ शब्द कहे, आवाज ऊंची हुई, फोन कट गया। फिर वही बात संदेशों में चली गई। कभी-कभी एक क्षण का आवेश वर्षों के रिश्ते पर भारी पड़ जाता है।

खत धीमे थे, लेकिन रिश्तों को सोचने का समय देते थे।मोबाइल तेज है, लेकिन कई बार हमें सोचने का समय नहीं देता। चिट्ठी लिखने की एक खूबसूरती यह भी थी कि उसमें शब्द चुनने पड़ते थे। कागज सामने होता था और दिल भीतर। हर वाक्य लिखने के बाद लगता था कि सामने वाला इसे कैसे पढ़ेगा। इसलिए खत में केवल सूचना नहीं होती थी, संवेदना होती थी। आज हमारे पास संपर्क के हजार साधन हैं, लेकिन शायद संवाद के लिए समय कम है। सैकड़ों लोगों के नंबर मोबाइल में हैं, हजारों लोग सोशल मीडिया पर जुड़े हैं, लेकिन कितने लोग ऐसे हैं जिन्हें हम बैठकर अपने मन की बात कह सकें? डाकखाने बदल गए, चिट्ठियों की संख्या कम हो गई, डाकिये की प्रतीक्षा भी बहुत कम हो गई। लेकिन खत की भावना आज भी मरनी नहीं चाहिए। क्योंकि तकनीक संदेश पहुंचा सकती है, भावना नहीं; आवाज सुना सकती है, अपनापन नहीं; चेहरा दिखा सकती है, लेकिन इंतजार की वह मिठास नहीं दे सकती जो कभी एक चिट्ठी के आने से घर में उतरती थी। आज विश्व डाक दिवस पर शायद डाकिये को याद करने का सबसे सुंदर तरीका यही होगा कि हम अपने किसी प्रिय व्यक्ति को एक खत लिखें। जरूरी नहीं कि उसमें कोई बड़ी बात हो। बस इतना लिख दें, 'तुम मेरे लिए महत्वपूर्ण हो।' शायद उस एक खत से हमें फिर समझ आए कि कभी डाकखाना सिर्फ पत्रों का केंद्र नहीं था। वह रिश्तों का रास्ता था, डाकिया उस रास्ते का यात्री था,और हर खत किसी धड़कते हुए दिल की आवाज।ड आज डाकिया कम दिखाई देता है, लेकिन हमें अपने भीतर का वह डाकिया फिर जगाना होगा, जो रिश्तों तक संदेश पहुंचाए, नाराजगी के बीच धैर्य पहुंचाए और दूरियों के बीच अपनापन।

जिला कारागृह टोंक का निरीक्षण ,व्यवस्थाओं का लिया जायजा

संचार जगत

टोंक। अपर जिला एवं सेशन न्यायाधीश व जिला विधिक सेवा प्राधिकरण टोंक के सचिव दिनेश कुमार जलुथरिया ने बुधवार को जिला कारागृह टोंक का साप्ताहिक निरीक्षण करके सम्पूर्ण व्यवस्था का जायजा लिया। जिला कारागृह में कुल 534 पुरुष बंदी का उपस्थित होना जाहिर किया गया। न्यायाधीश द्वारा कारागार में स्थित विधिक सेवा क्लिनिक, हेल्प डेस्क का अवलोकन किया ।जेल परिसर साफ-सुथरा पाया गया। जिला कारागृह में निरीक्षण के दौरान जेल में बैरेकस, स्नानाघर, चिकित्सालय एवं भोजनशाला में भोजन की गुणवता की भी जांच की गई। निरीक्षण के दौरान बंदियों को कारागृह में मिलने वाली मूलभूत सुविधाओं व बंदियों से उनके मुकदमों की स्थिति, कोर्ट पेषी एवं अधिवक्ता के संबंध में जानकारी प्राप्त की एवं अधिवक्ता न कर पाने की स्थिति में नि:शुल्क विधिक सहायता के तहत प्राधिकरण द्वारा अधिवक्ता उपलब्ध करवाने के संबंध में जानकारी प्रदान की गई। दौराने निरीक्षण राजेश कुमार, उपकारापाल एसिसटेंट लीगल एड डिफेंस कॉउंसिल अधिवक्ता पंकज कुमावत, पीएलवी चन्द्रकला शर्मा एवं डीएलएसए कार्मिक उपस्थित रहें।

राजकीय कन्या महाविद्यालय में भूगोल प्रायोगिक परीक्षा आज से

संचार जगत

निवाई। राजकीय कन्या महाविद्यालय में महर्षि दयानंद सरस्वती विश्वविद्यालय अजमेर के तहत बीए पार्ट प्रथम, द्वितीय व तृतीय की सेमेस्टर द्वितीय, चतुर्थ व षष्ठम की भूगोल विषय की प्रायोगिक परीक्षा 8 से 10 अक्टूबर 2026 तक आयोजित होगी। प्राचार्य प्रोफेसर विकास नौटियाल ने बताया कि सभी संबंधित विद्यार्थी अपने प्रायोगिक कार्य की फाइल, आवश्यक ड्राइंग उपकरण व पहचान पत्र साथ लेकर निर्धारित तिथियों में सुबह 10 बजे महाविद्यालय में अनिवार्य रूप से उपस्थित होना सुनिश्चित करें।

नवरात्री के शुभारंभ पर 11 को निकाली जाएगी विशाल कलश यात्रा

संचार जगत

निवाई। शारदीय नवरात्री के प्रथम दिवस पर श्री शक्ति पीठ सेवा संस्थान के तत्वावधान में 11 अक्टूबर को सुबह 8 बजे कृषि मण्डी स्थित श्री लक्ष्मीनारायण जी मन्दिर से कंकाली माता मन्दिर तक विशाल कलश यात्रा का निकाली जाएगी। संस्थान के अध्यक्ष शंकरलाल सोनी ने बताया कि प्रथम नवरात्रि पर यह विशाल कलश यात्रा कृषि मण्डी प्रांगण से पूरे विधि-विधान व मंत्रोच्चार के साथ रवाना होगी। शोभायात्रा में करीब 2100 महिलाएं अपने सिर पर मंगल कलश धारण कर माता रानी के जयकारे लगाते हुए शहर के मुख्य मार्गो से होते हुए कंकाली माता मन्दिर पहुंचेगी। मन्दिर सदस्य राजेश भट्ट ने बताया कि इस ऐतिहासिक कलश यात्रा को भव्य और स्मरणीय स्वरूप प्रदान करने के लिए विशेष तैयारियां जोर-शोर पर की जा रही हैं। उन्होंने बताया कि यात्रा के दौरान 11 सजे-धजे हाथी, घोड़े, पारंपरिक बग्गियां, अखाड़ा, पंजाबी बैंड, डीजे, बैंड बाजे व मनमोहक झांकियां मुख्य आकर्षण का केंद्र रहेंगी। कलश यात्रा का जगह-जगह पुष्पवर्षा करके स्वागत किया जाएगा।

दिव्यांगजन कल्याण दिवस एवं समाज कल्याण सप्ताह का हुआ आयोजन

दिव्यांगों ने दी मनमोहक सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुतियां

संचार जगत

निवाई। योगेश विशेष विद्यालय में सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग व योगेश शैक्षिक पुनर्वास एवं शोध संस्थान के संयुक्त तत्वावधान में दिव्यांगजन कल्याण दिवस एवं समाज कल्याण सप्ताह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि पूर्व तहसीलदार ज्ञानचन्द, अध्यक्षता कर रहे सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग के वरिष्ठ सहायक चाँदमल सैनी व विशिष्ट अतिथि सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग के तुलसीराम प्रजापत ने मां सरस्वती के चित्र के समक्ष दीप प्रज्जवलित करके किया। मुख्य अतिथि पूर्व तहसीलदार ज्ञानचन्द सोगाणी ने संस्था की गतिविधियों की सराहना करते हुए कहा कि योगेश विशेष विद्यालय ने अपने सेवा कार्यों से संपूर्ण राजस्थान में निवाई क्षेत्र को एक विशिष्ट पहचान दिलाई है। क्षेत्र में ऐसे संस्थान की नितांत आवश्यकता है, जिसे इस संस्था ने पूरी निष्ठा से पूरा किया है। यह संस्थान क्षेत्र के सभी दिव्यांगजनों की समस्याओं के समाधान व सहयोग के लिए सदैव तत्पर रहता है। संस्था सचिव डॉ. सीताराम स्वामी ने संस्थान में संचालित गतिविधियों, सेवाओं व उत्कृष्ट उपलब्धियों का विस्तृत प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। शिक्षक प्रशिक्षण केंद्र के कोऑर्डिनेटर मनोज स्वामी ने आभार ज्ञापित किया एवं कार्यक्रम का संचालन राकेश स्वामी ने किया। समारोह में दिव्यांगों ने स्वागत गीत, पिरामिड योगा, सूर्य नमस्कार व मनमोहक सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दीं। बालकों ने राष्ट्रभक्ति से ओत-प्रोत कार्यक्रमों के साथ-साथ लघु नाटिकाओं के जरिए युवा पीढ़ी के सामाजिक संस्कारों में आ रही गिरावट व पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। श्रवण बाधित बालक अंकेश गुर्जर ने नृत्य प्रस्तुति से राजस्थान की महिमा का बखान किया, दृष्टिबाधित बालक उमेश ने देशभक्ति गीत के माध्यम से अमर शहीदों को नमन किया। श्रवण बाधित बालकों व बौद्धिक अक्षम छात्राओं द्वारा सांस्कृतिक व कलात्मक प्रस्तुतियां दी। प्रात:कालीन सत्र में बूची, लंबी कूद, गोला फेंक एवं गुब्बारा फोड़ जैसी स्पर्धाओं में बच्चों ने उत्साह से भाग लिया। इस अवसर पर देवनारायण छात्रावास के अधीक्षक विकास, अध्यापक रामबाबू गौतम, सरिता शर्मा, अरविंद कुमार, हेमंत कुमार, श्योपाल गुर्जर, हिमांशु पाराशर, मुकेश गुर्जर, सियाराम प्रजापत, राजेश गुर्जर व विपिन बिन्द सहित कई अभिभावक मौजूद थे।

संवेदनशील व अति संवेदनशील मतदान केंद्रों के निर्धारण को लेकर हुई बैठक

संचार जगत

निवाई। उपखण्ड अधिकारी कार्यालय में पंचायतीराज चुनाव-2026 को शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के उद्देश्य से रिटर्निंग ऑफिसर गंभीर सिंह की अध्यक्षता में बैठक आयोजित हुई। जिसमें रिटर्निंग ऑफिसर गंभीर सिंह ने अधिकारियों व मार्चारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। उन्होंने संबंधित विभागों के अधिकारियों व कर्मचारियों के साथ गहन विचार-विमर्श एवं रिकॉर्ड की समीक्षा की। बैठक में संवेदनशील एवं अति संवेदनशील मतदान केंद्रों का निर्धारण किया गया। इस अवसर पर डीवाईएसपी रविप्रकाश शर्मा, थानाधिकारी घासीराम मीणा, सदर थानाधिकारी राजेन्द्र प्रसाद, दत्तवास थानाधिकारी निरमा मीणा, पुलिस सहायक उप निरीक्षक नरेन्द्र कुमार, विकास अधिकारी हंसराज गुर्जर व चुनाव प्रभारी अमित जोशी सहित कई अधिकारी एवं कर्मचारी मौजूद थे।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन सेवा के 25 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष में मार्शल ज्योति पदयात्रा का हुआ आयोजन

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी व नितिन नवीन का हुआ वर्चुअल कार्यक्रम

संचार जगत



अलवर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन सेवा के 25 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष में विकसित भारत संकल्प सभा व सेवा ज्योति यात्रा कार्यक्रम के अंतर्गत बुधवार को भारतीय जनता पार्टी जिला अलवर द्वारा नेहरू उद्यान में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी व राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन का वर्चुअल माध्यम से भाजपा पदाधिकारी कार्यकर्ता एवं आमजन ने संबोधन सुना इसके पश्चात पदम गफरुद्दीन मेवाती के कर कमल द्वारा मशाल ज्योति प्रज्वलित की गई तत्पश्चात मशाल ज्योति पदयात्रा रवाना हुई जो नेहरू उद्यान से राज ऋषि महाविद्यालय चौराहा तक पहुंची जहां मशाल को स्थापित किया गया और यहां से शहर के चारों मंडल अध्यक्षों के नेतृत्व में चार अलग-अलग दिशाओं में यह मशाल यात्रा रवाना की गई ।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आपने सबोधन मे कहा

आज जब मैं 'सेवा ज्योति यात्रा' और 'विकसित भारत संकल्प सभा' के इस विशाल दृश्य को देखता हूँ, तो मेरा विश्वास और दृढ़ हो जाता है कि 140 करोड़ देशवासियों का 'विकसित भारत' का सपना अब दूर नहीं है।

भाइयों और बहनों, हमारे लिए राजनीति सत्ता पाने का माध्यम नहीं, बल्कि 'सेवा ही संगठन' और 'राष्ट्र प्रथम' का संकल्प है। बीते वर्षों में हमारी सरकार ने योजनाओं को कागजों से निकालकर गरीब के घर के किवाड़ तक पहुँचाया है। चाहे पक्का मकान हो, नल से जल हो, मुफ्त इलाज हो या शौचालय जैसी बुनियादी सुविधा—हमने शत-प्रतिशत संतृप्ति के लक्ष्य को हासिल करने के लिए दिन-रात एक किया है।

सेवा ज्योति यात्रा' इसी भावना का विस्तार है। यह यात्रा इस बात का प्रतीक है कि सरकार और संगठन जब मिलकर जनता की सेवा में समर्पित होते हैं, तो परिवर्तन की एक नई क्रांति जन्म लेती है। आज का भारत अपनी युवा शक्ति, नारी शक्ति, गरीब और किसान भाइयों के बल पर आगे बढ़ रहा है। हमारे अध्यक्ष नितिन नबीन जी के नेतृत्व में हमारी युवा ऊर्जा देश के कोने-कोने में इस सेवा भाव को और मजबूत कर रही है। साथियों, 'विकसित भारत' केवल एक सरकारी कार्यक्रम नहीं है, यह देश के हर नागरिक का संकल्प है। जब देश का हर व्यक्ति अपनी-अपनी भूमिका में सर्वश्रेष्ठ योगदान देगा, जब सेवा की यह ज्योति हर घर में प्रकाश फैलाएगी, तब 2047 का समृद्ध और समर्थ भारत पूरी दुनिया को दिशा दिखाएगा। आइए, इस सेवा संकल्प को और मजबूत करें और एक सशक्त, समृद्ध व विकसित भारत के निर्माण में जुट जाएँ। आज का यह दिन हमारे संगठन और राष्ट्र के इतिहास में एक स्वर्णिम अध्याय की तरह है। 'सेवा ज्योति यात्रा' केवल एक यात्रा नहीं, बल्कि अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति तक सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को पहुँचाने का एक राष्ट्रव्यापी अभियान है। हमारे प्रधानमंत्री ने देश को अंत्योदय से सर्वोदय की ओर ले जाने का जो संकल्प दिया है, भारतीय जनता पार्टी का प्रत्येक कार्यकर्ता उसे अपनी साधना मानकर धरातल पर उतार रहा है।

दौसा में गूंजी सेवा की ज्योति, कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ ने सेवा ज्योति यात्रा में की सहभागिता

संचार जगत



अलवर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जनसेवा के 25 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर दौसा में आयोजित सेवा ज्योति यात्रा में राजस्थान सरकार में कैबिनेट मंत्री एवं झोटवाड़ा विधायक कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ ने सहभागिता की। इस अवसर पर कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी की 25 वर्षों की गौरवपूर्ण जनसेवा यात्रा देश और समाज के प्रति समर्पण की प्रेरणादायी मिसाल है। सेवा, सुशासन और राष्ट्रहित को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए प्रधानमंत्री ने जनकल्याण को विकास की मुख्यधारा से जोड़ा है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह , राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन के मार्गदर्शन एवं म मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा एवं प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ नेतृत्व में राजस्थान में डबल इंजन सरकार प्रदेश के विकास को नई गति दे रही हैं।

डबल इंजन सरकार का उद्देश्य जनकल्याणकारी योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन, मजबूत आधारभूत ढांचे का निर्माण और प्रदेश के हर वर्ग तक विकास का लाभ पहुंचाना है। कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ ने कहा कि सेवा ज्योति यात्रा प्रधानमंत्री जी की 25 वर्षों की जनसेवा और राष्ट्रसेवा की भावना को जन-जन तक पहुंचाने का माध्यम है। सेवा और समर्पण की यह ज्योति समाज के प्रत्येक वर्ग के कल्याण तथा राष्ट्रनिर्माण के लिए निरंतर प्रेरणा देती रहेगी।

विकसित भारत के संकल्प को जन-जन तक पहुंचाने के लिए विद्यार्थियों एवं आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं ने निकाली जागरूकता रैली

संचार जगत



अलवर । विकसित भारत जनसेवा अभियान के तहत जिले में जन-जागरूकता एवं सहभागिता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से बुधवार को विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। रैली को मुख्य जिला शिक्षा अधिकारी श्री महेश गुप्ता ने एसएमडी स्कूल से हरी झण्डी दिखाकर रवाना किया। कार्यक्रम के तहत स्कूली विद्यार्थियों एवं आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं ने स्लोगन व पोस्टर के माध्यम से जागरूकता रैली में आमजन को विकसित भारत के निर्माण में सक्रिय भागीदारी निभाने का संदेश दिया। इस अवसर पर विद्यार्थियों एवं आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं द्वारा 'विकसित भारत' के संकल्प, स्वच्छता, शिक्षा, आत्मनिर्भरता, पर्यावरण संरक्षण, जनसेवा एवं राष्ट्र निर्माण जैसे विषयों पर आधारित आकर्षक स्लोगन एवं पोस्टर-बैनर प्रदर्शित किए गए।

प्रतिभागियों ने रचनात्मक संदेशों के माध्यम से आमजन को सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ उठाने तथा विकास की मुख्यधारा से जुड़ने का संदेश दिया। एस.एम.डी. स्कूल से अमर जवान ज्योति, कंपनी बाग तक जागरूकता रैली का आयोजन किया गया। रैली में स्कूली विद्यार्थियों एवं आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

विकास की योजनाएं जनता की प्राथमिकता से होगी तय ताकि टोंक सुंदर व स्वच्छ शहर के रूप में विकसित हो सकें: गोयल

संचार जगत



टोंक(ब्रिजेश परिड़वाल)। नगर परिषद् टोंक के सभापति मयंक गोयल ने गुरुवार को धन्ना तलाई के वार्ड 27में जनसुनवाई की।जिस दौरान वार्ड पार्षद अकबर खान,उपसभापति फरजाना सईद भी मौजूद थी। सभापति मयंक गोयल ने कहा कि टोंक के विकास के लिए कोई कसर नहीं छोड़ी जाएगी।उन्होंने कहा कि टोंक में सड़के,नालियों का निर्माण होगा साथ ही सफाई की व्यवस्था की जाएगी।उन्होंने कहा कि टोंक की जनता को मूलभूत सुविधाएं मिले इसके लिए पूरा प्रयास किया जाएगा साथ ही हमारी प्राथमिकता होगी कि टोंक सुंदर,स्वच्छ शहर के रूप में विकसित हो। सभापति मयंक गोयल ने कहा कि सभापति का पदभार ग्रहण करने के बाद वह प्रत्येक वार्ड में जनसुनवाई कैंप के जरिए वार्डों एवं मोहल्लों की समस्याओं की सुनवाई करके वहां की आवश्यकताओं को जान रहे है ताकि नागरिकों की प्राथमिकता से विकास की योजनाएं बनाई जा सकें।

उन्होंने मीडिया से बातचीत में कहा कि टोंक नगर परिषद् में सफाई सहित अन्य कार्यों के लिए संसाधन भी जुटाएं जाएंगे साथ ही परिसीमन के तहत गांवों को भी नगर परिषद् से जोड़ा गया है वहां भी सफाई व्यवस्था की दृष्टि से काम होंगे साथ ही कचरा वैन भेजी जाएगी ताकि सफाई होने के साथ ही वहां से कचरा भी उठाया जा सकें। नगर परिषद् टोंक के वार्ड 27से नवनिर्वाचित पार्षद अकबर खान ने अपने वार्ड की समस्याओं की जानकारी देते हुए कहा कि प्रमुख रूप से वार्ड से निकलने वाली नहर की बड़ी समस्या है ।

अग्रवाल समाज की ओर से नवनिर्वाचित सभापति मयंक गोयल का सम्मान आज

संचार जगत



टोंक(ब्रिजेश परिड़वाल)। नगर परिषद् टोंक के नवनिर्वाचित सभापति मयंक गोयल का श्री अग्रवाल समाज सेवा समिति टोंक के तत्वाधान में गुरुवार को सायं 7बजे राज मिडवे पर सम्मान समारोह आयोजित किया जाएगा। अग्रवाल नवयुवक मंडल टोंक के अध्यक्ष ऋतुराज ने बताया कि राज मिडवे पर गुरूवार की शाम 7बजे नवनिर्वाचित सभापति मयंक गोयल का अग्रवाल समाज की तरफ से अभिनंदन किया जाएगा।

हाल ही नगर परिषद् टोंक चुनाव में मयंक गोयल पार्षद निर्वाचित हुए थे जिन्होंने सभापति के चुनाव में जीत दर्ज की थी। वहीं अग्रवाल महिला मंडल टोंक की पूर्व अध्यक्ष मंजू गर्ग,उषा गोयल,पूजा गुप्ता,संगीता जैन,रेखा ने सभी समाज महिलाओं से अपील की है कि वह गुरुवार को होने वाले नवनिर्वाचित सभापति के सम्मान समारोह सहित अग्रसेन महाराज की शोभायात्रा एवं अन्य कार्यक्रमों में भागीदारी निभाए।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विकसित भारत के संकल्प को जन-जन तक पहुंचाएं : वन राज्यमंत्री शर्मा

वन राज्य मंत्री संजय शर्मा ने विकसित भारत संकल्प सभा एवं सेवा ज्योति यात्रा कार्यक्रम में की शिरकत

संचार जगत



अलवर। वन एवं पर्यावरण राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) संजय शर्मा की अध्यक्षता में आज नेहरू गार्डन में विकसित भारत संकल्प सभा एवं सेवा ज्योति यात्रा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान वीसी के माध्यम से राष्ट्रीय कार्यक्रम से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं राज्य स्तरीय कार्यक्रम से मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के ओजस्वी उद्बोधन को जनप्रतिनिधियों, कार्यकर्ताओं, युवाओं, महिलाओं एवं आमजन ने आत्मीयता के साथ सुना। वन राज्य मंत्री संजय शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की 25 वर्षों की सेवा यात्रा ने राजनीति को जनसेवा और जनविश्वास को राष्ट्रनिर्माण की शक्ति बनाया। उन्होंने कहा कि गुजरात के मुख्यमंत्री से देश के प्रधानसेवक तक प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का जीवन राष्ट्रसेवा के संकल्प को समर्पित रहा है। उन्होंने इस अवसर पर जिले की समस्त जनता की ओर से शुभकामनाएँ दी। उन्होंने कहा कि विकसित भारत का संकल्प केवल सरकार का संकल्प नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक की भागीदारी से साकार होने वाला राष्ट्रव्यापी अभियान है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश निरंतर विकास के नए आयाम स्थापित कर रहा है। सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं एवं विकास कार्यों का लाभ अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति तक पहुंचाना हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि सेवा, सुशासन और विकास के मूल मंत्र के साथ प्रदेश में जनहित के कार्यों को गति दी जा रही है। विकसित भारत के निर्माण में युवाओं, महिलाओं, किसानों, श्रमिकों एवं समाज के प्रत्येक वर्ग की महत्वपूर्ण भूमिका है। उन्होंने उपस्थित लोगों से आह्वान किया कि वे राष्ट्र निर्माण के इस अभियान से जुड़कर विकसित भारत के संकल्प को सशक्त बनाएं। उन्होंने कहा कि विकसित भारत का लक्ष्य तभी पूर्ण होगा, जब विकास का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचेगा।

इसके लिए सरकार के साथ-साथ जनभागीदारी को भी मजबूत करना आवश्यक है।

सेवा ज्योति यात्रा ने दिया सेवा और राष्ट्र निर्माण का संदेश

कार्यक्रम के दौरान आयोजित सेवा ज्योति यात्रा सभा स्थल नेहरू गार्डन से आरआर कॉलेज सर्किल तक निकाली गई, जिसमें सेवा, समर्पण, राष्ट्रभक्ति एवं जनकल्याण का संदेश जन-जन तक पहुंचाने का आह्वान किया गया। यात्रा में सहभागी लोगों ने विकसित भारत के निर्माण, स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण, सामाजिक समरसता तथा जनसेवा के प्रति अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त की।

कार्यक्रम में रामगढ़ विधायक सुखवंत सिंह, पदम प्राप्त प्रसिद्ध भपंग वादक गफूरुद्दीन मेवाती, जिला अध्यक्ष अशोक गुप्ता, नगर निगम महापौर मती सुमनलता अग्रवाल, केंद्रीय सहकारी बैंक एवं क्रय-विक्रय समिति के अध्यक्ष संजय नरूका, सरस डेयरी के अध्यक्ष नितिन सांगवान, पूर्व विधायक जयराम जाटव, उप महापौर अजय पुनिया, पं. धर्मवीर शर्मा, बन्नाराम मीणा, घनश्याम गुर्जर, अजय अग्रवाल, ऋषिराज शर्मा, सतीश यादव, पं. जले सिंह, लक्ष्मी नारायण गुप्ता, देशराज खरेरा सहित जनप्रतिनिधिगण, पार्षदगण, युवा, महिला एवं बड़ी संख्या में आमजन मौजूद रहे।

पंचायती राज संस्थाओं के प्रथम चरण के चुनाव के लिए 8 अक्टूबर को जारी होगी अधिसूचना

पंचायत समिति सदस्यों के नाम निर्देशन के लिए पंचायत समिति वार रिटर्निंग अधिकारी एवं नामांकन प्राप्ति स्थल निर्धारित

संचार जगत

जयपुर(का.सं.)। जयपुर जिला परिषद एवं जिले की पंचायत समितियों के सदस्यों के लिए 8 अक्टूबर को निर्वाचन की लोकसूचना जारी होगी। जिला निर्वाचन अधिकारी (पंचायत) संदेश नायक ने बताया कि नाम निर्देशन पत्र प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि 13 अक्टूबर को अपराह्न 3 बजे तक रहेगी। नाम निर्देशन पत्रों की संवीक्षा 14 अक्टूबर को प्रात: 11 बजे से होगी तथा नाम वापसी की अंतिम तिथि 15 अक्टूबर को अपराह्न 3 बजे तक रहेगी। नाम वापसी का समय समाप्त होने के तुरंत पश्चात चुनाव प्रतीकों का आवंटन एवं चुनाव लड़ने वाले अभ्यर्थियों की सूची का प्रकाशन किया जाएगा। जिला परिषद् एवं पंचायत समिति सदस्यों के लिए प्रथम चरण का मतदान हेतु मतदान दलों का प्रस्थान 21 अक्टूबर को होगा व मतदान 22 अक्टूबर (गुरुवार) को प्रात: 7 बजे से सायं 6 बजे तक होगा।

पंच एवं सरपंच पदों के लिए 8 अक्टूबर को निर्वाचन की लोकसूचना जारी होगी। नाम निर्देशन पत्र 23 अक्टूबर को प्रात: 8 बजे से पूर्वाह्न 11 बजे तक प्रस्तुत किए जा सकेंगे। नाम निर्देशन पत्रों की संवीक्षा 23 अक्टूबर को पूर्वाह्न 11:30 बजे से होगी तथा नाम वापसी का समय अपराह्न 2 बजे तक रहेगा। इसके तुरंत पश्चात चुनाव प्रतीकों का आवंटन एवं चुनाव लड़ने वाले अभ्यर्थियों की सूची का प्रकाशन किया जाएगा।प्रथम चरण में पंच एवं सरपंच पद के लिए मतदान 24 अक्टूबर (शनिवार) को प्रात: 7 बजे से सायं 6 बजे तक होगा। मतदान समाप्ति के तुरंत पश्चात संबंधित ग्राम पंचायत मुख्यालय पर मतगणना की जाएगी। उपसरपंच का चुनाव 25 अक्टूबर (रविवार) को होगा। वहीं जिला परिषद एवं पंचायत समिति सदस्यों की मतगणना 20 नवम्बर (शुक्रवार) को जिला मुख्यालय पर प्रात: 8 बजे से मतगणना समाप्ति तक की जाएगी। जिला निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि पंचायती राज आम चुनाव के तहत पंचायत समिति सदस्यों के नाम निर्देशन पत्र प्राप्त करने के लिए पंचायत समिति वार रिटर्निंग अधिकारी एवं नामांकन प्राप्ति स्थल निर्धारित किए गए हैं। आमेर पंचायत समिति के लिए राजेन्द्र कुमार, उपखण्ड अधिकारी एवं उपखण्ड मजिस्ट्रेट, आमेर को रिटर्निंग अधिकारी नियुक्त किया गया है तथा नामांकन कार्यालय उपखण्ड अधिकारी, आमेर में प्राप्त किए जाएंगे।

'खाद्य सुरक्षा के प्रति विद्यार्थियों में जागरूकता बढ़ाने के लिए 16 अक्टूबर को अंतर.विद्यालय प्रतियोगिता

संचार जगत

अलवर । आयुक्त अविचल चतुर्वेदी खाद्य सुरक्षा एवं औषधी नियंत्रण, जयपुर एवं जिला कलक्टर, अलवर आर्तिका शुक्ला के निर्देशन में जिले में चलाये जा रहे शुद्ध आहार मिलावट पर वार अभियान के तहत श्रीमान् मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. योगेन्द्र कुमार शर्मा ने बताया कि जिलें में विद्यार्थियों के बीच खाद्य सुरक्षाए स्वस्थ खान.पान की आदतों तथा पैकेज्ड खाद्य पदार्थों के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी अलवर के मार्गदर्शन में दिनांक 16 अक्टूबर 2026 को प्रात: 11:00 बजे से दोपहर 03:00 बजे तक एक अंतर.विद्यालय खाद्य सुरक्षा जागरूकता प्रतियोगिता आयोजित की जाएगी। कार्यक्रम का आयोजन हैप्पी स्कूलए कंपनी गार्डन के सामने अलवर में प्रस्तावित है। आयोजन में निर्मल इंडस्ट्रीज प्राइवेट लिमिटेडए अलवर एवं रोटरी क्लब अलवर फोर्ट सहयोगी आयोजन भागीदार के रूप में अपनी सहभागिता प्रदान करेंगे। इस पहल का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों को केवल खाद्य पदार्थों के चयन तक सीमित न रखते हुए उन्हें सुरक्षित भोजनए संतुलित आहारए पोषण संबंधी समझ तथा बाजार में उपलब्ध पैकेज्ड खाद्य पदार्थों के लेबल को सही प्रकार से पढ़ने और समझने के प्रति जागरूक बनाना है। विद्यार्थियों में कम उम्र से ही यह समझ विकसित करना आवश्यक है कि किसी भी खाद्य उत्पाद को खरीदते या उपयोग करते समय उसके लेबलए पोषण संबंधी जानकारीए सामग्रीए निर्माण एवं उपयोग संबंधी विवरण को समझना स्वस्थ जीवनशैली का महत्वपूर्ण हिस्सा है।

पंचायती राज संस्थाओं के आम चुनाव 2026

प्रथम चरण के लिए कल से होगी नामांकन प्रक्रिया प्रारम्भ

संचार जगत

अलवर । पंचायती राज संस्थाओं के आम चुनाव 2026 के अंतर्गत प्रथम चरण में जिला परिषद सदस्य एवं समाविष्ट पंचायत समिति रामगढ, कठूमर, खेडली-सौंखर, गोविन्दगढ, मुबारिकपुर एवं रैणी के सदस्य पद हेतु अभ्यर्थी 8 अक्टूबर से 13 अक्टूबर तक प्रात: 11 बजे से 3 बजे तक (सार्वजनिक अवकाश को छोडकर) नामांकन कर सकते हैं। पंचायत समिति सदस्य के लिए नामांकन संबंधित उपखण्ड अधिकारी कार्यालय में भरे जा सकेंगे।

जिला परिषद सदस्य पद हेतु नामांकन कक्षों की व्यवस्था

जिला निर्वाचन अधिकारी (पंचायत) डॉ. आर्तिका शुक्ला ने बताया कि पंचायत समिति मालाखेडा एवं उरमैरण के जिला परिषद सदस्य निर्वाचन क्षेत्र के क्रमांक/वार्ड 1, 2, 3, 4, 5, 6, 7, 8 व 9 के लिए नाम निर्देशन पत्र मिनी सचिवालय भूतल कक्ष संख्या 32 में लिए जाएंगे। इसी प्रकार पंचायत समिति थानागाजी, रामगढ एवं राजगढ के जिला परिषद सदस्य निर्वाचन क्षेत्र के क्रमांक/वार्ड 10, 11, 12, 13, 14, 15, 16, 17, 35, 36 व 37 के लिए नाम निर्देशन पत्र मिनी सचिवालय भूतल कक्ष संख्या 17 में लिए जाएंगे। पंचायत समिति रैणी, लक्ष्मणगढ एवं मुबारिकपुर के जिला परिषद सदस्य निर्वाचन क्षेत्र के क्रमांक/वार्ड 18, 19, 20, 21, 22, 23, 24, 25, 38 व 39 के लिए नाम निर्देशन पत्र मिनी सचिवालय भूतल कक्ष संख्या 66 में लिए जाएंगे तथा पंचायत समिति कठूमर, खेडली-सौंखर एवं गोविन्दगढ के जिला परिषद सदस्य निर्वाचन क्षेत्र के क्रमांक/वार्ड 26, 27, 28, 29, 30, 31, 32, 33 व 34 के लिए नाम निर्देशन पत्र मिनी सचिवालय भूतल कक्ष संख्या 83 में लिए जाएंगे।

मुख्य सचिव की अध्यक्षता में राजस्व विभाग की समीक्षा बैठक आयोजित

राजस्व मंडल एवं अधीनस्थ राजस्व न्यायालयों में लंबित प्रकरणों के त्वरित निस्तारण के निर्देश

संचार जगत

जयपुर(का.सं.)। मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास की अध्यक्षता में बुधवार को राजस्व मंडल, अजमेर एवं अधीनस्थ राजस्व न्यायालयों में लंबित वादों के त्वरित निस्तारण के संबंध में बैठक आयोजित हुई। बैठक में राजस्व एवं उपनिवेशन विभाग के प्रमुख शासन सचिव श्री टी. रविकान्त सहित राजस्व विभाग के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे। साथ ही राजस्व मंडल अध्यक्ष श्री अजिताभ शर्मा तथा मंडल सदस्य वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से बैठक में शामिल हुए। बैठक में मुख्य सचिव द्वारा गत माह राजस्व मंडल, अजमेर के दौरे के दौरान दिए गए निर्देशों की अनुपालना की समीक्षा की गई।

रिपोर्टेबल निर्णयों को डिजिटल रूप में उपलब्ध कराने के निर्देश

मुख्य सचिव ने राजस्व मंडल द्वारा प्रस्तुत अनुपालना रिपोर्ट एवं सदस्यों द्वारा पारित रिपोर्टेबल निर्णयों की जानकारी लेते हुए निर्देश दिए कि इन निर्णयों का सभी अधीनस्थ राजस्व न्यायालयों में प्रसारण सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने रिपोर्टेबल निर्णयों के प्रकाशन के लिए गठित समिति की बैठक आयोजित कर 1 जनवरी से 23 सितंबर, 2026 तक के निर्णयों को डिजिटल रूप में पोर्टल एवं राजस्व न्यायालयों के लिए उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। साथ ही उन्होंने निर्णय लेखन में लगने वाले समय को कम करने तथा इस संबंध में गठित समिति की अनुशंसाएं 20 अक्टूबर तक प्रस्तुत करने के दिशा निर्देश दिए।

लंबित प्रकरणों के निस्तारण के लिए विशेष अभियान

मुख्य सचिव ने तामील एवं मिसल के लिए लंबित मामलों के त्वरित निस्तारण के लिए 28 सितंबर से 30 अक्टूबर तक विशेष अभियान चलाने के निर्देश दिए। उन्होंने 1500 से अधिक लंबित राजस्व वाद वाले उपखण्ड अधिकारी एवं सहायक कलेक्टर कार्यालयों में न्यायिक प्रक्रिया पूर्ण होने के बाद रोस्टर निर्धारित कर संभागीय आयुक्त एवं जिला कलेक्टर द्वारा निरीक्षण करने तथा आरआरसीएमएस पोर्टल के डैशबोर्ड पर चरणवार लंबित प्रकरणों की पेंडेंसी रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए। साथ ही उन्होंने अधिक लंबित वाद वाले अधिकारियों के



कार्यकुशलता उन्नयन के लिए प्रशिक्षण आयोजित करने को भी कहा गया।

राजस्व न्यायालयों की कार्यक्षमता बढ़ाने पर जोर

मुख्य सचिव ने राजस्व अपीलीय प्राधिकारी एवं अतिरिक्त जिला कलेक्टर न्यायालयों के निरीक्षण एवं समीक्षा के निर्देश दिए। उन्होंने राजस्व मंडल में आईएएस संवर्ग के तीन रिक्त पदों पर पदस्थापन तथा आरएएस संवर्ग के तीन रिक्त पदों पर चयन के लिए कार्मिक विभाग को आवश्यक कार्रवाई करने को कहा। साथ ही राजस्व मंडल कार्यालय भवन निर्माण के लिए संबंधित विभागों से समन्वय कर भूमि का चयन करने तथा राजस्व न्यायालयों में लंबित मामलों का विभागीय नियमों एवं अधिनियमों के तहत निर्धारित समय-सीमा में त्वरित एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

रामलीला व भर्तृहरि के लिए गणेश जी महाराज को निमंत्रण दिया गया



संचार जगत

अलवर । राजर्षि अभय समाज संस्था द्वारा बुधवार को श्रीरामलीला एवं महाराजा भर्तृहरि नाटक के प्रदर्शन को निर्विघ्नता पूर्ण संपन्न करने के लिए प्रथम पूज्य श्री गणपति महाराज को निमंत्रण दिया गया। बैंड बाजे के साथ संस्था के संरक्षक पदाधिकारी सदस्य कलाकार एवं स्वयंसेवक लाल दरवाजा स्थित भगवान गणेश के मंदिर में गए। वहां जाकर संस्था के महानिदेशक मनोज गोयल एवं श्रीरामलीला के स्वरूपों द्वारा श्री गणपति महाराज का पूजन एवं वंदन किया गया। गणेश मंदिर से ज्योति लाकर संस्था के रंगमंच पर स्थापित की गई। गणेश पूजन के बाद संस्था के रंगमंच पर पहुंचकर रंगमंच एवं ड्रॉप का पूजन किया गया। ड्रॉप पूजन में संस्था के महानिदेशक मनोज गोयल ने ड्रॉप पर बने श्रीराम दरबार का विधिवत पूजन एवं वंदन किया। इसके पश्चात संस्था के श्री भर्तृहरि धाम मंदिर में 24 घंटे के अखंड रामायण पाठ का शुभारंभ हुआ, जो की 8 तारीख को पूर्ण होगी।

खाकी की क्रूरता, मानवाधिकारों का घोर हनन: जूली

संचार जगत

अलवर। राजस्थान विधान सभा में नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने जयपुर (मुहाना थाना क्षेत्र) में पुलिस पूछताछ और हिरासत के दौरान बर्बरतापूर्ण मारपीट के चलते 19 वर्षीय युवक ऋतुराज की हुई मौत पर गहरा दु:ख एवं रोष व्यक्त किया है। उन्होंने इस घटना को खाकी की क्रूरता, मानवाधिकारों का घोर हनन और कानून के राज पर बदनुमा दाग करार दिया है।

नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने प्रदेश में पुलिस हिरासत में होने वाली मौतों और पुलिस बर्बरता के प्रकरणों की रोकथाम के संबंध में आवश्यक दिशा निर्देश जारी करने हेतु राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग को पत्र लिखा है।

प्रतिपक्ष के नेता जूली ने कहा कि रक्षा करने वाली पुलिस का भक्षक बन जाना अत्यंत निंदनीय



है। मृतक की मां के आरोपों का हवाला देते हुए उन्होंने कहा कि पूछताछ के नाम पर थाने में युवक के साथ बेरहमी से मारपीट की गई, जिससे उसकी हालत बिगड़ी और अंतत: इलाज के दौरान उसने दम तोड़ दिया।

जूली ने आरोप लगाया कि पीड़ित परिवार न्याय की गुहार लगा रहा है, जबकि पुलिस प्रशासन ने सच्चाई को छिपाने और परिवार को डरा-धमकाकर झूठे मुकदमे दर्ज करवाने का प्रयास किया, जो लोकतांत्रिक व्यवस्था में अक्षम्य है। नेता प्रतिपक्ष ने राज्य सरकार की प्रशासनिक विफलता पर सवाल उठाते हुए कहा कि प्रदेश में हिरासत में होने वाली मौतों और पुलिस ज्यादती के मामलों में लगातार वृद्धि हो रही है। सरकार का पुलिस प्रशासन पर कोई अंकुश नहीं रह गया है। उन्होंने कहा कि घटना में संलिप्त सभी सम्बन्धित पुलिस अधिकारियों व कर्मियों के खिलाफ तत्काल प्रभाव से बीएनएस की धारा-103 के तहत हत्या का मुकदमा दर्ज कर उन्हें सेवा से बर्खास्त किया जाना चाहिए।जूली ने कहा कि पूरे मामले की निष्पक्षता सुनिश्चित करने के लिये उच्च न्यायालय के वर्तमान न्यायाधीश की निगरानी में न्यायिक जांच करवाये जाए एवं थाने के सीसीटीवी फुटेज और मेडिकल रिपोर्ट को बिना किसी छेड़छाड के न्यायिक रिकार्ड में दर्ज किया जाए। साथ ही पीड़ित परिवार को तुरन्त आर्थिक सहायता और परिवार के एक आश्रित को सरकार नौकरी दिये जाने की मांग की है।

राज्य में उर्वरकों की पर्याप्त उपलब्धता, किसानों को चिंता की जरूरत नहीं : डॉ. किरोड़ी लाल

संचार जगत

जयपुर । राज्य में रबी सीजन के दौरान किसानों को उनकी आवश्यकता के अनुरूप पर्याप्त मात्रा में उर्वरक उपलब्ध कराने के लिए राज्य सरकार एवं कृषि विभाग द्वारा निरंतर प्रभावी मॉनिटरिंग की जा रही है। प्रदेश में वर्तमान में 3 लाख 72 हजार मीट्रिक टन यूरिया, 1 लाख 06 हजार मीट्रिक टन डीएपी, 97 हजार मीट्रिक टन एनपीके तथा 2 लाख 08 हजार मीट्रिक टन एसएसपी का स्टॉक उपलब्ध है। कम उपलब्धता एवं अधिक खपत वाले जिलों और ब्लॉकों को चिन्हित कर मांग के अनुरूप प्राथमिकता से उर्वरकों की आपूर्ति सुनिश्चित की जा रही है।

हाल ही में रबी 2026-27 के दौरान किसानों को उनकी मांग अनुरूप गुणवता युक्त उर्वरकों की निर्बाध उपलब्धता सुनिश्चित करने तथा उर्वरकों की जमाखोरी एवं कालाबाजारी पर प्रभावी अंकुश लगाने के लिए मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास की अध्यक्षता में राज्य स्तरीय 'फर्टीलाईजर डिस्ट्रीब्यूशन



रेगुलेट्री टॉस्क फोर्स' की बैठक आयोजित की गई। कृषि एवं उद्यानिकी मंत्री डॉ. किरोड़ी लाल ने कहा कि प्रदेश में उर्वरकों की पर्याप्त उपलब्धता है और किसानों को किसी भी प्रकार की अफवाह अथवा बहकावे में आकर अनावश्यक रूप से उर्वरक खरीदने या उसका भंडारण करने की आवश्यकता नहीं है। राज्य सरकार केन्द्र सरकार के साथ लगातार समन्वय स्थापित कर प्रदेश की आवश्यकता के अनुरूप उर्वरकों की आपूर्ति सुनिश्चित कर रही है। इसके मुकाबले रबी 2026-27 में 40.06 लाख हैक्टेयर तिलहनी, 21.95 लाख हैक्टेयर दलहनी तथा 38.50 लाख हैक्टेयर अनाज की बुवाई प्रस्तावित की गई है।

फसल विविधीकरण के अनुरूप उर्वरकों की व्यवस्था

डॉ. किरोड़ी लाल ने बताया कि केंद्र सरकार द्वारा तिलहन एवं दलहन को बढ़ावा देने के दृष्टिगत राज्य में इन फसलों के बुवाई क्षेत्र में वृद्धि प्रस्तावित की गई है, जबकि खाद्यान्न फसलों के क्षेत्रफल में कमी प्रस्तावित है। रबी 2025-26 में 39.82 लाख हैक्टेयर में तिलहनी, 20.69 लाख हैक्टेयर में दलहनी तथा 42.77 लाख हैक्टेयर में अनाज की बुवाई हुई थी।

फसलवार प्रस्तावित क्षेत्रफल एवं उर्वरकों की आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए राज्य में उर्वरकों की आपूर्ति एवं वितरण की योजना तैयार की गई है।

24 एफआईआर दर्ज, 118 लाइसेंस निलंबित/ निरस्त

कृषि मंत्री ने बताया कि विभाग द्वारा समय-समय पर विशेष अभियान चलाकर उर्वरक वितरण में जमाखोरी, कालाबाजारी, यूरिया डायवर्जन एवं अन्य अनियमितताओं के विरुद्ध प्रभावी कार्रवाई की गई है। विभाग द्वारा 12 हजार 362 विक्रय परिसरों का सघन निरीक्षण कर 24 एफआईआर दर्ज की गई साथ ही 115 उर्वरक लाईसेंस निलम्बित व 3 लाईसेंस निरस्त किये गए। उर्वरक डायवर्जन के तहत विभिन्न उर्वरको के 1223 बैग जप्त किए गए है। गुण नियंत्रण कार्यवाहियों के तहत अब तक यूरिया, डीएपी, एनपीके, एसएसपी, टीडीएम एवं प्रोम के कुल 8 हजार 533 बैग जप्त किए गए है। विभिन्न थानों में दर्ज एफआईआर में अबतक 11 व्यक्तियों की पुलिस द्वारा गिरफ्तारी की जा चुकी है।

वर्तमान में राज्य सरकार द्वारा 10 सितम्बर से 15 अक्टूबर तक विशेष गुण नियंत्रण अभियान चलाया जा रहा है, जिसके तहत विभिन्न प्रावधानों में निरीक्षण जप्ती, नमूना आहरण, उर्वरक डायवर्जन रोकने आदि कार्यवाहियां की जा रही है।

राजस्थान में पात्र एवं नव मतदाताओं के पंजीकरण हेतु विशेष अभियान जारी -नवीन महाजन

संचार जगत

जयपुर । भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशों के क्रम में राजस्थान में मतदाता सूची के सतत अद्यतन के अंतर्गत पात्र एवं नव मतदाताओं के पंजीकरण हेतु विशेष अभियान प्रारम्भ हो चुका है। अभियान का उद्देश्य विशेष गहन पुनरीक्षण के दौरान मतदाता सूची में शामिल होने से शेष रह गए पात्र नागरिकों तथा 18 वर्ष की आयु पूर्ण कर चुके एवं प्रथम बार मतदान के लिए पात्र हुए युवाओं का मतदाता सूची में पंजीकरण सुनिश्चित करना है। मुख्य निर्वाचन अधिकारी, राजस्थान, नवीन महाजन ने बताया कि अभियान के तहत सभी जिलों में जिला निर्वाचन अधिकारियों एवं निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारियों द्वारा आवश्यक कार्रवाई की जा रही है। गत सात दिवस में अभियान के अंतर्गत अब तक विधानसभा क्षेत्रों में नवीन मतदाताओं के पंजीकरण हेतु 57,000 से अधिक फार्म-6 प्राप्त किए जा चुके हैं। उन्होंने बताया कि अभियान के व्यापक प्रचार-प्रसार एवं जनजागरूकता के लिए इलेक्टोरल लिटरेसी क्लब के माध्यम से स्कूल एवं कॉलेज स्तर पर विभिन्न जागरूकता गतिविधियां एवं विशेष कैम्प आयोजित किए जा रहे हैं। विधानसभा क्षेत्रों में इ एल सी द्वारा किए जा रहे इन



जनजागरूकता कार्यक्रमों की निगरानी एवं पर्यवेक्षण जिला स्तर पर जिला निर्वाचन अधिकारियों द्वारा किया जा रहा है। साथ ही, जिलों में संचालित अभियान एवं विभिन्न गतिविधियों की प्रगति का मुख्यालय स्तर से भी नियमित रूप से पर्यवेक्षण एवं परीक्षण किया जा रहा है।

अस्थाई अतिक्रमण पर नगर निगम की कार्रवाई, 78 हजार रुपये कैरिंग चार्ज वसूला, 24 केन्टर सामान जब्त

संचार जगत

जयपुर । नगर निगम जयपुर की सतर्कता शाखा ने बुधवार को शहर के विभिन्न क्षेत्रों में अस्थाई अतिक्रमण के खिलाफ कार्रवाई करते हुए 78 हजार रुपये का कैरिंग चार्ज वसूल किया। कार्रवाई के दौरान अतिक्रमणकारियों का 24 केन्टर सामान जब्त कर नगर निगम के गोदाम में भिजवाया गया। नगर निगम जयपुर आयुक्त ओम कसेरा के निर्देशानुसार एवं पूर्व में प्राप्त शिकायतों के आधार पर उपायुक्त सतर्कता के नेतृत्व में



सतर्कता शाखा की टीम ने विभिन्न क्षेत्रों में अभियान चलाया। टीम ने सड़कों, बाजारों और सार्वजनिक स्थानों पर किए गए अस्थाई अतिक्रमण को हटवाया। इन इलाकों में हुई कार्रवाई सतर्कता शाखा की टीम ने वीटी रोड मानसरोवर, अरावली पथ, गोपालपुरा पुलिया के नीचे, जगतपुरा रेलवे निवास, सांगानेर बाजार एवं सब्जी मंडी, गोशाला पिंजरा पोल के सामने, कैलाश टावर जलमहल, आमेर रोड, मावठा, गांधी चौक, आमेर, कुंडा, दिल्ली बाईपास रोड, धोबी घाट, मानबाग, पुरानी चुंगी से संकट मोचन हनुमान मंदिर तक, वन विहार लाल डूंगरी, ईदगाह, राष्ट्रीय आयुर्वेदिक संस्थान अस्पताल, गोविंद नगर ब्रह्मपुरी, श्याम नगर मेट्रो स्टेशन, न्यू सांगानेर रोड, गुर्जर की थड़ी, न्यू आतिश मार्केट, चंपा नगर और देवी नगर सहित विभिन्न स्थानों पर कार्रवाई की।

24 केन्टर सामान जब्त, मौके पर वसूला कैरिंग चार्ज

उपायुक्त सतर्कता ने बताया कि कार्रवाई के दौरान अस्थाई अतिक्रमण हटवाने के साथ 24 केन्टर सामान जब्त किया गया। जब्त सामान को नगर निगम के गोदाम में भिजवाया गया। वहीं, अतिक्रमण करने वालों से मौके पर 78 हजार रुपये कैरिंग चार्ज की वसूली की गई।

भविष्य में अतिक्रमण नहीं करने की समझाइश

सतर्कता टीम ने कार्रवाई के दौरान संबंधित लोगों को समझाइश भी दी और भविष्य में सार्वजनिक स्थानों पर अस्थाई अतिक्रमण नहीं करने के लिए मौखिक रूप से पाबंद किया। टीम ने चेतावनी दी कि यदि दोबारा अतिक्रमण किया गया तो नगर निगम की ओर से भारी चालान सहित प्रभावी कार्रवाई की जाएगी।

स्वामित्व, प्रकाशक एवं संपादक : अवंतिका राठौड़ - पी.के. प्रिंटर्स एंड स्टेशनर्स, 31, राम मंदिर के पास, पटेल नगर, 22 गोदाम, जयपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। कार्यालय : जे-17, रमेश मार्ग, सी-स्कीम, जयपुर।
संपर्क : 0141 463 7668 । ई-मेल : editorial@sancharjagat.com । आरएनआई नं. : RAJHIN/2014/55262। समाचार चयन के लिए पीआरबी अधिनियम के तहत जिम्मेदार। न्यायाधिकार क्षेत्र : जयपुर महानगर।